CAREERINDIA

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2020- 21 विषय- हिंदी (आधार)
कक्षा- 12
अंक योजना

निर्धारित समय- 3 घंटे | अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश:-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है|
- खंड-अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए|
- खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ|
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए|

		खंड – अ वस्तुपरक- प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या		उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न1.	(i)	IV. महामारी का प्रभाव|	1
	(ii)	I. संक्रमण को रोकने के लिए|	1
	(iii)	II. प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण|	1
	(iv)	III. बच्चों की चिंता के कारण|	1
	(v)	I. शिक्षक की अकुशलता के कारण|	1
	(vi)	III. बच्चों की चिंता के कारण|	1
	(vii)	I. बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा|	1
	(viii)	III. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना|	1
	(ix)	I. लोग अधिक होने से|	1
	(x)	II. आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से|	1
		अथवा	
	(i)	II. एकांत पर|	1

www.careerindia.com

	(ii)	III.	स्वयं को जानने के लिए।	1
	(iii)	III.	एकांत प्रेम के कारण।	1
	(iv)	I.	संसार से प्रेम करके।	1
	(v)	III.	एकांत से प्रेम करके।	1
	(vi)	I.	वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता।	1
	(vii)	IV.	धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान।	1
	(viii)	III.	नई संकल्पना।	1
	(ix)	I.	ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते।	1
	(x)	IV.	संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना।	1
प्रश्न2.	(i)	III.	पावस ऋतु की सुंदरता।	1
	(ii)	II.	प्रकृति से।	1
	(iii)	III.	मानवीकरण।	1
	(iv)	I.	बादल।	1
	(v)	III.	आपसी प्रेम के लिए।	1
			अथवा	
	(i)	IV.	जीवन।	1
	(ii)	II.	सरिता-सागर।	1
	(iii)	I.	प्रसन्नता।	1
	(iv)	IV.	जीवन।	1
	(v)	IV.	महानता के रूप में।	1
प्रश्न3.	(i)	I.	माध्यमों को।	1
	(ii)	I.	अखबार।	1
	(iii)	II.	टेलीविजन।	1
	(iv)	III.	वेब दुनिया।	1

www.careerindia.com

CAREERINDIA

	(v)	III.	छह।	1
प्रश्न4.	(i)	II.	कोमल।	1
	(ii)	III.	जंगल में जाड़ा, ताप, आंधी-तूफ़ान।	1
	(iii)	III.	भ्राता को खो देना।	1
	(iv)	I.	निरर्थक।	1
	(v)	IV.	पिता के वचन का पालन न करते।	1
प्रश्न5.	(i)	I.	स्वाधीनता के साथ जीना।	1
	(ii)	II.	उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए।	1
	(iii)	IV.	लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे।	1
	(iv)	IV.	इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है।	1
	(v)	II.	जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले।	1
प्रश्न6.	(i)	III.	लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है।	1
	(ii)	III.	इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किंतु दिखावा नहीं था।	1
	(iii)	III.	यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे।	1
	(iv)	II.	सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था।	1
	(v)	I.	ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं।	1
	(vi)	II.	अकेलापन उपयोगी है।	1
	(vii)	I.	नारियों की स्वतंत्रता के हनन से जनसंख्या वृद्धि की समस्या बढ़ी है।	1
	(vii)	IV.	वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे।	1
	(ix)	I.	एन.फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी।	1
	(x)	II.	दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।	1

www.careerindia.com

	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत	

CAREERINDIA

प्रश्न क्रम संख्या	उत्तर	निर्धारित अंक विभाजन
प्रश्न7.	किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:- भूमिका - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5x1=5
प्रश्न8.	2 में से किसी 1 विषय पर पत्र (लगभग 80-100 शब्द-सीमा) आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5x1=5
प्रश्न9.	प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-	3+2-=5
(i)	• शब्द कविता का मेरुदंड है| • विभिन्न शब्दों के उचित मेल से ही कविता बनती है| • एक शब्द में ही अनेक अर्थ छिपे रहते हैं| शब्दावली होने पर ही कविता लिखना सरल हो पाता है| • भावनाओं और संवेदनाओं को शब्दों के द्वारा ही आकार मिलता है| कविता भाषा में होती है, इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान ज़रूरी है।भाषा शब्दों से बनती है। शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है। भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नयी लगे। कविता में संकेतों का बड़ा महत्त्व होता है। इसलिए चिन्हों (,') यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीच का खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है। वाक्यगठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है। इसलिए विभिन्न काव्य शैलियों का ज्ञान भी ज़रूरी है। -- <u>अथवा</u> • कहानी की सभी घटनाओं को कथानक कहते हैं| • कहानी का नक्शा कथानक होता है| • कहानी लिखने से पहले कथानक लिखा जाता है| • कथानक किसी घटना, जानकारी, अनुभव, कल्पना पर आधारित होता है| • संपूर्ण कहानी के केंद्र में कथानक ही होता है|	3
(ii)	• नाटक को दृश्य-काव्य भी कहा जाता है| • अन्य विधाएँ केवल लिखित रूप में ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करती हैं| • नाटक अपने लिखित रूप से अगले चरण (मंचन) तक अधूरा रहता है| नाटक कृत्यों और दृश्यों के माध्यम से मंचित किया जाता है। इसमें कथानक, परिस्थितियाँ, स्पष्टीकरण आदि स्वतः स्पष्ट होते हैं। प्रत्येक पात्र के संवाद अलग-अलग	2

www.careerindia.com

CAREERINDIA

		लिखे होते हैं। नाटक अभिव्यक्ति केंद्रित तथा भावप्रधान होते हैं तथा कलाकारों की अभिव्यक्ति कला,संवाद-सम्प्रेषण, आवाज आदि इसमें प्रमुख भूमिका अदा करती हैं। अभिनय द्वारा किसी भाव, घटना, सामाजिक राय आदि प्रस्तुत की जाती हैं| नाटक में सभी प्रकार के चरित्रों का समावेश होता है, जैसे- नायक-नायिका, खलनायक, लघुचरित्र इत्यादि। -- अथवा • चरित्र किसी भी कहानी के मूल होते हैं| • प्रत्येक पात्र का अपना एक स्वभाव होता है, और वह किसी न किसी उद्देश्य से जुड़ा होता है| • चरित्र के विकास के साथ कहानी का विकास होता है|	
प्रश्न10.		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-	3+2=5
	(i)	• विशेष लेखन अर्थात किसी विशेष विषय पर सामान्य लेखन से हटकर लिखा गया लेख| • विशेष लेखन करने वाले पत्रकारों की महारथ अपने क्षेत्र विशेष में होती है| • खेल, राजनीति, आर्थिक, अपराध, फ़िल्म-जगत, कृषि, कानून, विज्ञान इत्यादि के क्षेत्र में विशेष लेखन किया जाता है| -- अथवा • फ़ीचर का लेखक अपने विचार, भावनाएँ, दृष्टिकोण को फ़ीचर में व्यक्त कर पाता है इसलिए इसे आत्मनिष्ठ लेखन की श्रेणी में रखा जाता है| • कथात्मक शैली का प्रयोग, सरल-सहज भाषा, आकर्षक भाषा इत्यादि के कारण| • विषय हल्का अथवा गंभीर कुछ भी हो सकता है|	3
	(ii)	• संपादकीय लेखन समाचार-पत्र की अपनी आवाज़ होती है| • संपादकीय के द्वारा किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपने विचार प्रकट करते हैं| • बिना किसी के नाम के भी छापा जाता है| • संपादकीय समाचार-पत्र के संपादक और उनके सहयोगियों के द्वारा लिखा जाता है ---| अथवा • समाचार संवाददाता अथवा रिपोर्टरों द्वारा लिखा जाता है| • उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है| • छः ककारों का ध्यान रखा जाता है|	2
प्रश्न11.		प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-	3+3=6

www.careerindia.com

	(i)	• पहले छंद में उन्होने दिखलाया है कि संसार के अच्छे-बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार पेट की आग का दारुण व गहन यथार्थ है। श्रम के अलग अलग रूप हैं पर सबका लक्ष्य एक मात्र पेट की भूख है। • दूसरे छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी बेकारी व गरीबी की पीड़ा का यथार्थपरक चित्रण करते हुए उसे दशानन (रावण) से उपमित करते हैं। गरीबी रूपी रावण ने सबको दुखी कर रखा है|	3
	(ii)	• दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार, व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है। • दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है, उसे खुलेआम भुनाया जाता है। • साक्षात्कारकर्ता को उसके निजी सुख-दुख से कुछ लेना-देना नहीं होता। • दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं| • बिना किसी लोक-मर्यादा के उसका फायदा उठाने से नहीं चूकते| • उनकी कथनी और करनी में पूर्णत: अन्तर होता है।	3
	(iii)	• कविता में कवित्व शक्ति का वर्णन है। • कविता चिड़िया की उड़ान की तरह कल्पना की उड़ान है लेकिन चिड़िया के उड़ने की अपनी सीमा है जबकि कवि अपनी कल्पना के पंख पसारकर देश और काल की सीमाओं से परे उड़ जाता है। • फूल कविता लिखने की प्रेरणा तो बनता है लेकिन कविता तो बिना मुरझाए हर युग में अपनी खुशबू बिखेरती रहती है। • कविता बच्चों के खेल के समान है और समय और काल की सीमाओं की परवाह किए बिना अपनी कल्पना के पंख पसारकर उड़ने की कला बचे भी जानते है।	3
प्रश्न12.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-	2+2=4
	(i)	• कविता में नीले नभ को राख से लिपे गीले चौके के समान बताया गया है। • दूसरे बिंब में उसकी तुलना काली सिल से की गई है। • तीसरे में स्लेट पर लाल खड़िया चाक का उपमान है। • लीपा हुआ आँगन काली सिल या स्लेट गाँव के परिवेश से ही लिए गए हैं। • प्रातः कालीन सौंदर्य क्रमशः विकसित होता है। • धीरे-धीरे लालिमा भी समास हो जाती है और सुबह का नीला आकाश नील जल का आभास देता है| • सूर्य की स्वर्णिम आभा गौरवर्णी देह के नील जल में नहा कर निकलने की उपमा|	2
	(ii)	यहाँ निंदा करने वाले कवि का परदा खोलना चाहते हैं अर्थात् बुराई करना चाहते हैं पर इससे उनकी कमियाँ खुद ही उजागर होती जा रही हैं|	2
	(iii)	पक्षियों के बच्चे दिनभर अपनी माँ की प्रतीक्षा में इस आशा से नीड़ो से झाँकते रहते हैं कि शाम को लौटते समय वे उनके लिए भोजन लेकर आएगी और उन्हें ममता का मधुर स्पर्श प्रदान करेगी।	2
प्रश्न13.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-	3+3=6

www.careerindia.com

CAREERINDIA

	(i)	डॉ. आंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज के मुख्यतः तीन बिंदुओं- स्वतंत्रता, समता एवं भ्रातृता यानी भाईचारा पर आधारित है। ये तीनों मूल्य लोकतांत्रिक मूल्य ही हैं|	3
	(ii)	'काले मेघा पानी दे' पाठ में गांव की गर्मी और पानी से उपजी समस्या तथा 'पहलवान की ढोलक' कहानी में महामारी के दौरान ग्रामीण पृष्ठभूमि को उकेरा गया है|	3
	(iii)	भगत जी सफ़िया की चारित्रिक विशेषताएँ:- • पंसारी की दुकान से केवल अपनी जरूरत का सामान (जीरा और नमक) खरीदना। • निश्चित समय पर चूरन बेचने के लिए निकलना। • छह आने की कमाई होते ही चूरन बेचना बंद कर देना। • बचे हुए चूरन को बच्चों को मुफ्त बाँट देना। • सभी का जय-जय-राम कहकर स्वागत करना। • बाजार की चमक-दमक से आकर्षित न होना। • समाज को संतोषी जीवन की शिक्षा देना। सफ़िया की चारित्रिक विशेषताएँ:- • ईमानदार-सफ़िया ईमानदार भी है जब सफ़िया को यह पता चलता है कि पाकिस्तान से भारत नमक ले जाना गैरकानूनी है उसने तय किया कि प्रेम की इस भेंट को वह चोरी से नहीं ले जाएगी। • दृढ़निश्चयी-सफ़िया का स्वभाव दृढ निश्चयी है। वह किसी भी कीमत पर लाहौरी नमक को भारत ले जाना चाहती है इसलिए वह सही गलत सभी तरीकों पर विचार करती है। • निडर-सफ़िया निडर भी है। यह जानते हुए भी कि नमक ले जाना गैरकानूनी है वह बिना झिझके कस्टम वालों के सामने नमक की पुड़िया रख देती है। • वायदे को निभाने वाली-सफ़िया सैयद है। सैयद होने के नाते वह अपने किये वायदे को किसी भी कीमत पर पूरा करना चाहती है।	3
प्रश्न14.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-	2+2=4
	(i)	लुट्टन सिंह जब जवानी के जोश में आकर चाँद सिंह नामक मँजे हुए पहलवान को ललकार बैठा, तो सारा जनसमूह, राजा और पहलवानों की समूह आदि की यह धारणा थी कि यह कच्चा किशोर जिसने कुश्ती कभी सीखी नहीं है, पहले दाँव में ही ढेर हो जाएगा। हालाँकि लुट्टन सिंह की नसों में बिजली और मन में जीत का जज़्बा उबाल खा रहा था। उसे किसी की परवाह ने थी। हाँ ढोल की थाप में उसे एक-एक दाँव-पेंच का मार्गदर्शन जरूर मिल रहा था। उसी थाप का अनुसरण करते हुए उसने 'शेर के बच्चे' को खूब धोया, उठा-उठा कर पटका और हरा दिया। इस जीत में एक मात्र ढोल ही उसके साथ था। अतः जीतकर वह सबसे पहले ढोल के पास दौड़ा और उसे प्रणाम किया।	2
	(ii)	बाज़ार का जादू चढ़ने पर मनुष्य बाज़ार की आकर्षक वस्तुओं के मोह जाल में फँस जाता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता न होने पर भी खरीदने के लिए लालायित हो जाता है। इसी मोहजाल में फँसकर वह ऐसी गैरजरूरी वस्तुएँ खरीद लेता है जो कुछ समय बाद घर के किसी कोने की शोभा बढ़ाती	2

www.careerindia.com

		है, परन्तु जब यह जादू उतरता है तो उसे एहसास होता है कि जो वस्तुएँ उसने आराम के लिए खरीदी थीं, उल्टा वे तो उसके आराम में खलल डाल रही है।	
	(iii)	भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था, हिन्दुओं के अनुसार लक्ष्मी धन की देवी है। प्राय: नाम व्यक्तित्व का परिचायक होता है किन्तु भक्तिन गरीब थी, उसका पूरा जीवन ससुराल वालों की सेवा करने और पति की मृत्यु के बाद संघर्ष करते हुए व्यतीत हुआ। इस प्रकार उसके नाम का वास्तविक अर्थ और उसके जीवन का यथार्थ दोनों परस्पर भिन्न थे। इसलिए निर्धन भक्तिन सबको अपना असली नाम लक्ष्मी बताकर उपहास का पात्र नहीं बनना चाहती थी|	2

www.careerindia.com